अर्जुन सिंह धुर्वे
अकादेमी पुरस्कारः लोक एवं जनजातीय नृत्य (मध्य प्रदेश)

ARJUN SINGH DHURWEY
Akademi Award: Folk and Tribal Dance (Madhya Pradesh)

Born on 8 December 1953 in Dhurkuta village of Dindori district in Madhya Pradesh, Shri Arjun Singh Dhurwey imbibed the rich musical tradition of the region at an early age. To hone his skills further, he trained extensively under the tutelage of folk and tribal dance exponents and Guru Shri Sheikh Gulab.

A distinguished performer of the tribal dances of the Baiga community of Madhya Pradesh, Shri Arjun Singh Dhurwey has performed extensively various folk and tribal music and dance genres in many prestigious festivals organized in the State as well as other parts of the country. He is a B-High Grade artist of All India Radio, Jabalpur, and has recorded Karma, Dadriya, Phag, Jas, Reena, Birha songs for All India Radio, Jabalpur. He has authored a book *Baiga Geet* on the traditional songs of the Baiga tribe. He is an active member of several institutions working for the development of the arts in Madhya Pradesh.

For his contribution in the field of tribal dance and music, Shri Arjun Singh Dhurwey has been honoured with several awards including the Tulsi Samman conferred by the Government of Madhya Pradesh in 1995; and the Gaurav Samman conferred by Mekalsuta College, Dindori in 2017.

Shri Arjun Singh Dhurwey receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to the folk and tribal dance of Madhya Pradesh.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के धुरकुटा गाँव में 8 दिसंबर 1953 को जन्मे, श्री अर्जुन सिंह धुर्वे ने बाल्यकाल से ही क्षेत्र की समृद्ध संगीत परंपरा को आत्मसात करना प्रारम्भ कर दिया था। अपने कौशल को निखारने के लिए आपने लोक और जनजातीय नृत्य के प्रतिपादकों और गुरु श्री शेख गुलाब के संरक्षण में सघन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मध्य प्रदेश के बैगा समुदाय से जुड़े जनजातीय नृत्यों के प्रतिष्ठित कलाकार, श्री अर्जुन सिंह धुर्वे ने राज्य के साथ-साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित कई प्रतिष्ठित समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। आप ऑल इंडिया रेडियो, जबलपुर के बी–हाई ग्रेड कलाकार हैं और आपने आकाशवाणी, जबलपुर के लिए करमा, ददरिया, फाग, जस, रीना, बिरहा गाने भी रिकॉर्ड किए हैं। आपने बैगा जनजाति के पारंपरिक गीतों पर एक पुस्तक 'बैगा गीत' की रचना की है। आप मध्य प्रदेश में कला के विकास के लिए काम करने वाले कई संस्थानों के सक्रिय सदस्य हैं।

जनजातीय नृत्य और संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, श्री अर्जुन सिंह धुर्वे को 1995 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तुलसी सम्मान और मेकल्सुता कॉलेज, डिंडोरी द्वारा गौरव सम्मान 2017 सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

मध्य प्रदेश के लोक तथा जनजातीय नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री अर्जुन सिंह धुर्वे को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018